भारत सरकाररसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

**राज्‍य सभा** अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1135

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 16 अगस्‍त 2013/25 श्रावण, 1935 (शक) को दिया जाना है।

**उर्वरकों का आयात**

**1135. श्री नरेश गुजराल:**

क्‍या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2011-12 और 2012-13 के दौरान उर्वरकों के आयात पर कुल कितने डालर राशि खर्च की गई; और

(ख) इस तथ्‍य के मद्देनज़र कि विगत अट्ठारह महीनों के दौरान रुपए का तेजी से अवमूल्‍यन हुआ है, इसका देश में खुदरा बाजार में उर्वरकों के मूल्‍यों पर क्‍या प्रभाव पड़ेगा?

**उत्‍तर**

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्‍वयन मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) (श्री श्रीकांत कुमार जेना)**

**(क):** वर्ष 2011-12 और 2012-13 के दौरान यूरिया और पीएंडके उर्वरकों के आयात पर डॉलर में खर्च की गई कुल राशि को दर्शाने वाला विवरण **अनुलग्‍नक-।** में दर्शाया गया है।

**(ख):** पिछले अठारह महीनों के दौरान डॉलर की तुलना में रुपए का तेजी से अवमूल्‍यन होने के बावजूद आयातित यूरिया के मूल्‍य का किसानों पर प्रभाव नहीं पड़ा क्‍योंकि यह एक नियंत्रित मद है और इसका मूल्‍य सरकार द्वारा सांविधिक रूप से नियत किया जाता है।

फास्‍फेटयुक्‍त और पोटाशयुक्‍त (पीएंडके) उर्वरकों के लिए, सरकार 1.4.2010 से पोषक तत्‍व आधारित राजसहायता (एनबीएस) नीति का कार्यान्‍वयन कर रही है जिसके अंतर्गत राजसहायताप्राप्‍त पीएंडके उर्वरकों के प्रत्‍येक ग्रेड पर उनमें निहित पोषक तत्‍व के आधार पर राजसहायता की एक निश्चित राशि उपलब्‍ध कराई जाती है, जिसका निर्णय वार्षिक आधार पर लिया जाता है। इस नीति के अंतर्गत उर्वरक कंपनियों को पीएंडके उर्वरकों की एमआरपी युक्तिसंगत स्‍तर पर नियत करने की अनुमति दी गई है।

देश तैयार उत्‍पादों अथवा इनकी कच्‍ची सामग्री के लिए पोटाश क्षेत्र में संपूर्ण रूप से और फास्‍फेट क्षेत्र में 90% की सीमा तक आयात पर निर्भर हैं। राजसहायता नियत होने के कारण, अंतरराष्‍ट्रीय मूल्‍यों में किसी प्रकार के उतार-चढ़ाव और अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए के अवमूल्‍यन का पीएंडके उर्वरकों के घरेलू मूल्‍यों पर प्रभाव पड़ता है।

\*\*\*\*\*\*